Seventeenth Loksabha

>

Title: Issue related to the bad condition of Sampoornanand Sanskrit University and teaching of Sanskrit in B.H.U. Varanasi.

श्री बालूभाऊ उर्फ सुरेश नारायण धानोरकर (चन्द्रपुर): सभापति महोदय, धन्यवाद । पूरे देश में संस्कृत संस्थाओं का बुरा हाल है । सभी संस्थाएं फाइनेंशियल क्राइसिस से गुजर रही हैं, क्योंकि जब से यह सरकार आई है, इस सरकार ने संस्कृति शिक्षा के लिए दिए जाने वाले बजट में भारी कटौती की है । प्रतिष्ठित सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, जो प्रधान मंत्री जी के लोक सभा क्षेत्र वाराणसी में है, वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा है । इस संस्था में लगभग 35 प्रोफेसरों सहित कुल 200 का स्टाफ है, लेकिन उनको समय से सैलरी नहीं मिल रही है । छात्रों के छात्रावास का भी बुरा हाल है, लेकिन सरकार कुछ नहीं कर रही है । जब प्रधान मंत्री जी के क्षेत्र में ऐसा हाल है तो देश के बाकी हिस्सों में स्थित संस्कृत संस्थाओं का क्या हाल होगा?

वहीं दूसरी ओर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में एक मुस्लिम प्रोफेसर जो संस्कृत भाषा के प्रोफेसर हैं, उनसे संस्कृत नहीं पढ़वाई जाती है । वहां छात्रों द्वारा विरोध प्रदर्शन करवाया जाता है । एक संस्कृत प्रोफेसर को कला विभाग दिया जाता है, क्योंकि वह मुस्लिम है ।